RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : शुक्रवार 07 जुलाई 2023 वर्ष 05 अंक 75 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 8 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

महाराष्ट्र के बाहुबली बने शरद पवार, अजित बने कटप्पा!

कैसे सुधारेंगे 'गद्दार' वाला टैग?

मुंबई : महाराष्ट्र की राजनीति में शरद पवार के भतीजे अजित पवार ने भूचाल ला दिया है. नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (ठउढ) चीफ शरद पवार के होते ही वह 40 विधायकों को लेकर पार्टी में विभाजन की लकीर खींच दी है. शरद पवार अलग-थलग पड़ गए हैं. उनके पास महज कुछ भरोसेमंद नेता हैं और उनकी बेटी सुप्रिया सुले हैं. भतीजे ने चाचा से बगावत करके पार्टी ही छीन ली है. अजित पवार की इस बगावत पर महाराष्ट्र में पोस्टर वॉर शुरू हो गया है. राष्ट्रवादी विद्यार्थी कांग्रेस ने महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार को गद्दार बताया है. उनकी तुलना कटप्पा से की है. विद्यार्थी कांग्रेस के पोस्ट में शरद पवार बाहुबली बने हैं, वहीं अजित पवार कटप्पा बने हैं.

'बाहुबली शरद पवार, कटप्पा बने अजित पवार'

अजित पवार, अपने चाचा शरद पवार की पीठ में तलवार घोंपते नजर आ रहे हैं. एनसीपी के स्टूडेंट यूनियन का आरोप है कि अजित पवार ने अपने चाचा के साथ गद्दारी की है और बाहुबली के कटप्पा वाली भूमिका निभाई है. उन्होंने भरोसे का कत्ल किया है.

क्या मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देंगे एकनाथ शिंदे?

सीएम ने खुद दिया जवाब

अजित पवार की एंट्री और विधायकों की नाराजगी पर भी बयान

मुंबई: महाराष्ट्र की सियासत में हलचल जारी है. इस बीच मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उन अटकलों को खारिज कर दिया जिसमें दावा किया जा रहा था कि उनके गुट के कई विधायक अजित पवार की सरकार में एंट्री से नाराज हैं. साथ ही उन्होंने इस्तीफे की खबरों को अफवाह बताया. शिंदे ने कहा, "अजित पवार के राज्य मंत्रिमंडल में शामिल होने के बाद हमारी सरकार और मजबूत हो गई है. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमित शाह की ताकत मेरे पीछे है." मुख्यमंत्री ने कहा, "महाराष्ट्र मंत्रिमंडल में अजित पवार के शामिल होने के बाद शिवसेना विधायकों में कोई नाराजगी नहीं है."

इस्तीफे की खबर पर क्या बोले सीएम शिंदे?

शिंदे ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने की खबरों पर कहा, ''यह सब अफवाहें हैं, किस हद तक जाएंगे. उन्हें पहले अपनी पार्टी की हालत को देखना चाहिए, आत्मचिंतन करना चाहिए. दूसरे के घर में झांकने से पहले अपने घर देखो सुरक्षित है कि नहीं. जब सरकार का शपथ ग्रहण नहीं हुआ था तभी से चल रहा है कि मुख्यमंत्री जाएगा, सरकार जाएगी. आज हमारे साथ 200 विधायक हैं.

क्या विधायक मातोश्री के संपर्क में हैं?

एकनाथ शिंदे ने कहा कि हमारे पास 200 से ज्यादा विधायक हैं, इतनी मजबूत सरकार है. विधायकों को पिछले एक साल में विकास के लिए काफी पैसा मिला है. जो काम रुके थे, वो शुरू हो गए. घर में बैठने वाली सरकार और घर में बैठने वाले सीएम के पास कोई जाता है क्या?

जो भी समस्या होती है उस पर केंद्र से सहयोग मिल रहा है. इसलिए इनके पेट में दर्द हो रहा है.''

अपने गुट के विधायकों की नाराजगी के सवाल पर भी बोले शिंदे

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि सभी को सारी बात समझा दी गई है, हम लोग तो सत्ता को छोड़ कर चले गए थे. हम एक विचारधारा और भूमिका को लेकर सत्ता से बाहर निकले थे. सत्ता के लालच में हमने पहले निर्णय नहीं लिया था. हमारे विधायकों ने आगे क्या होगा इसकी भी परवाह नहीं की थी.

बीजेपी नेता ने अजित पवार के विधायक की सीट पर गड़ाई नजर

कहा- कागल से ही लड़ूंगा चुनाव

कोल्हापुर, भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के कोल्हापुर जिला अध्यक्ष समरजीत सिंह घाटगे ने गुरुवार (6 जुलाई) को कहा कि वह कागल सीट से विधानसभा चुनाव लड़ेंगे. कागल सीट का प्रतिनिधित्व इस समय राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेता हसन मुशरिफ कर रहे हैं जो रविवार (5 जुलाई) को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे-देवेंद्र फडणवीस के मंत्रिमंडल में शामिल हुए थे. घाटगे ने कागल में रैली को संबोधित करते हुए कहा कि इस सीट पर चुनाव लड़कर और जीतकर वह बीजेपी के प्रति अपनी वफादारी साबित करेंगे. मुशरिफ, अजित पवार समेत एनसीपी के आठ विधायकों के साथ दो जुलाई को एकनाथ शिंदे की सरकार में शामिल हुए थे.

बीजेपी नेता ने कहा, रविवार को हुए राजनीतिक घटनाक्रम के बाद मैंने अपने फोन को बंद कर दिया क्योंकि मैं परेशान था. बाद में, उपमुख्यमंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेता देवेंद्र फडणवीस ने मुझे मुंबई में मिलने के लिए कहा. मैं उनसे दो दिन बाद मिला और इस मुद्दे पर चर्चा की. घाटगे ने कहा, मुझे कारण पता है कि यह सब क्यों हुआ है. मुझे पता है यह सब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए हुआ है. घाटगे ने कहा कि वह विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) बनाए जाने के लिए फडणवीस से नहीं मिले.

मैं देवेंद्र फडणवीस से कुछ सवाल पूछना चाहता था...

घाटगे ने कहा कि वह फडणवीस से मिलकर कुछ सवाल पूछना चाहते थे और वह ऐसा कर पाए. उन्होंने कहा कि विभिन्न राजनीतिक पार्टियों ने उनसे संपर्क साधने की कोशिश की लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया. बीजेपी का गमछा पहने घाटगे ने कहा कि वह पार्टी नहीं छोड़ेंगे बल्कि कागल से विधानसभा चुनाव लड़ेंगे और रिकॉर्ड अंतर से जीतेंगे. घाटगे ने कहा, मैं दिखाऊंगा कि पार्टी के लिए वफादारी क्या होती है. उन्होंने मुशरिफ के परोक्ष संदर्भ में कहा कि कोई पार्टी से जुड़ गया है, इसलिए वह पार्टी क्यों छोड़ें. मुशरिफ, पश्चिमी महाराष्ट्र के दिग्गज नेता हैं. वह पिछले साल जून में गिरी महाविकास आघाड़ी सरकार में भी मंत्री थे.

पश्चिम उपनगर के पुल की मरम्मत पर मनपा करेगी 88 करोड़ खर्च

मुंबई : पुलो के दुर्घटना होने की बढ़ी घटनाओं से सबक लेते हुए मुंबई मनपा अब पुलों का समय समय पर देखभाल शुरू किया है। मनपा पुलों का हर 6 माह में स्ट्रक्चरल ऑडिट कराती है। मनपा प्रशासन ने इसी कड़ी में पश्चिम उपनगर के पुल का मरम्मत करने का निर्णय लिया है। मनपा जिसके लिए 88 करोड़ रुपए खर्च करेगी। बता दे कि मनपा पुल विभाग ने मुंबई के पुलों को मजबूत करने का काम शुरू किया है। पुल विभाग ने पश्चिमी उपनगर के विभिन्न पुलों की मरम्मत और रखरखाव पर 87.28 करोड़ रुपये की निविदाएं आमंत्रित की हैं। जिससे मनपा दहिसर से अंधेरी इलाके तक करीब 150 पुलों की मरम्मत करेगी।

महाराष्ट्र में अब कांग्रेस ने अशोक चव्हाण को लेकर अटकलें शुरू

BJP के समर्थन के सवाल पर खुद दिया जवाब

मुंबई : एनसीपी में हुई बगावत के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में तूफान उठा हुआ है. शिवसेना (शिंदे गुट) के नेता दावा कर रहे हैं कि जल्द ही कांग्रेस के भी कई विधायक शिंदे सरकार में शामिल हो सकते हैं.

इन चचाओं पर अब कांग्रेस की ओर भी बयान आया है. महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक चव्हाण ने इन अटकलों को अफवाह करार दिया है. महाराष्ट्र में बीजेपी-शिवसेना सरकार को समर्थन देने की अटकलों पर गुरुवार (6 जुलाई) को अशोक चव्हाण ने न्यूज एजेंसी एएनआई से कहा कि मैं आज कांग्रेस कोर कमेटी की बैठक में था और मुझे नहीं पता कि कौन हमारे बारे में अफवाहें फैला रहा है. मेरी कुछ पूर्व निर्धारित बैठकें थीं इसलिए मैं उन बैठकों के लिए निकल गया हूं.

शिवसेना विधायक ने किया दावा

इससे पहले शिवसेना (शिंदे गुट) के विधायक संजय शिरसाट ने दावा किया था कि महाराष्ट्र कांग्रेस के कई विधायक पार्टी छोड़ना चाहते हैं. मैंने सुना है कि 16-17 विधायक कांग्रेस छोड़ना चाहते हैं. वे जल्द ही निर्णय लेंगे और कांग्रेस भी विभाजित हो जाएगी.

सीएम शिंदे के पद छोड़ने की अटकलें की खारिज

संजय शिरसाट ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के अपने पद से हटने की सभी अफवाहों को खारिज करते हुए कहा कि एकनाथ शिंदे सीएम बने रहेंगे. डिप्टी सीएम देवेंद्र फड़णवीस ने भी साफ कहा है कि अगला चुनाव उनके नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा.

संपादकीय / लेख

शंघाई सहयोग संगठन...!

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन की ओर से जारी संयुक्त बयान में चीन की महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव यानी बीआरआइ के उल्लेख से भारत ने जिस तरह दूरी बनाई, उस पर आश्चर्य नहीं। भारत इस परियोजना का प्रारंभ से ही विरोध करता आ रहा है। वास्तव में वह पहला देश था, जिसने तब इस परियोजना का विरोध किया था, जब छोटे-बड़े तमाम देश उसका समर्थन कर रहे थे। चीन को इसकी आशा भी नहीं करनी चाहिए कि भारत उसकी इस परियोजना का समर्थन करेगा। चीन की इस परियोजना का एक हिस्सा पाकिस्तान के कब्जे वाले हिस्से से गुजरना है, जो कि भारत का भूभाग है। हालांकि चीन इस तथ्य से भली तरह परिचित है, लेकिन वह अपने अड़ियल रवैये के चलते भारत की संप्रभुता की अनदेखी करने में लगा हुआ है। चीन इस मामले में दोगली नीति पर चल रहा है। एक ओर तो वह यह चाहता है कि भारत समेत अन्य देश उसकी संवेदनशीलता का ध्यान रखें, लेकिन वह अन्य देशों के मामले में ऐसा कुछ करने से इन्कार करता है। भले ही शंघाई सहयोग संगठन के अन्य सदस्य देशों ने बीआरआइ परियोजना का समर्थन किया हो, लेकिन भारत न केवल अपने रवैये पर अडिग रहा, बल्कि उसने यह भी स्पष्ट किया कि वह किन कारणों से इस परियोजना का समर्थन करने के लिए तैयार नहीं। चीन को भारत की आपत्ति को समझना होगा।

यदि वह ऐसा नहीं करता तो इससे न केवल दोनों देशों के संबंध तनावपूर्ण बने रहेंगे, बल्कि शंघाई सहयोग संगठन वह सब कुछ हासिल नहीं कर सकेगा, जिसका सपना देखा जा रहा है। समस्या केवल इतनी ही नहीं है कि चीन कनेक्टिविटी के नाम पर बीआरआइ परियोजना को आगे बढ़ाते हुए भारत की संप्रभुता की अनदेखी कर रहा है, बल्कि यह भी है कि वह शंघाई सहयोग संगठन की भावना के विपरीत काम कर रहा है। कहने को तो वह खुद को आतंकवाद के खिलाफ बताता है, लेकिन आतंकी संगठनों को पालने-पोसने वाले पाकिस्तान का आंख मूंद कर समर्थन करता है। इतना ही नहीं, वह पाकिस्तान के उन आतंकियों का बेशर्मी के साथ बचाव भी करता है, जिन पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद पाबंदी लगाना चाहती है। वह अभी तक पाकिस्तान के ऐसे चार-पांच आतंकी सरगनाओं की ढाल बन चुका है, जिन्हें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने प्रतिबंधित करने की कोशिश की।

यह कारण रहा कि भारतीय प्रधानमंत्री ने शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में चीनी और पाकिस्तानी शासनाध्यक्षों की उपस्थिति में उन्हें खरी-खोटी सुनाई और यह साफ किया कि वे किस तरह आतंकवाद को खाद-पानी देने का काम कर रहे हैं। चीन आतंकवाद पर दोहरा रवैया अपनाने के साथ पड़ोसी देशों की अखंडता की जैसी अनदेखी करने में लगा हुआ है, उसे देखते हुए इसके आसार कम ही हैं कि शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य देशों में आपसी भरोसा कायम हो सकेगा। यह समूह दक्षेस जैसा निष्प्रभावी संगठन बनकर रह जाए तो हैरत नहीं।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

मुंबई में रात भर भारी बारिश हुई, आईएमडी ने 'ऑरेंज' अलर्ट जारी किया...!

मुंबई : मुंबई में रात भर मध्यम से भारी बारिश हुई और मौसम विभाग ने 'ऑरेंज' अलर्ट जारी करते हुए बृहस्पतिवार को यहां और अधिक भारी बारिश का अनुमान जताया है। स्थानीय बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने यह जानकारी दी। बृहन्मुंबई विद्युत आपूर्ति एवं परिवहन (बेस्ट) उपक्रम से एक अधिकारी ने बताया कि तड़के पौने पांच बजे जलजमाव के कारण सायन में उसकी कुछ बसों के मार्ग परिवर्तित किए गए हैं। अधिकारी ने बताया कि सुबह करीब आठ बजे मार्ग पर यातायात बहाल कर दिया गया और मुंबई में बस सेवा सामान्य है। बीएमसी के वर्षा आंकड़ों के अनुसार, बुधवार और बृहस्पतिवार की मध्य रात्रि के बाद बारिश की तीव्रता बढ़ गई और दादर, माहिम, खार, माटुंगा और कुर्ला जैसे कुछ इलाकों में पिछले 12 घंटों में 40 मिलीमीटर से 70 मिलीमीटर तक वर्षा हुई। बीएमसी के एक प्रवक्ता ने बताया कि मुंबई, पूर्वी और पश्चिमी उपनगरों में बृहस्पतिवार को सुबह आठ बजे तक 24 घंटे की अवधि में क्रमशः 54.28 मिलीमीटर, 48.85 मिलीमीटर और 51.07 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई।

उन्होंने कहा कि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुंबई केंद्र ने बुधवार शाम को अपने 'जिला पूर्वानुमान और चेतावनी' में मुंबई के लिए 'ऑरेंज' अलर्ट जारी किया है, जिसमें छिटपुट स्थानों पर ''भारी से बहुत भारी वर्षा'' का पूर्वानुमान जताया गया है। नगर निगम के अधिकारी ने बताया कि सुबह के व्यस्त समय के दौरान मुंबई में सड़क पर यातायात सामान्य था, किसी बड़े जलजमाव की कोई खबर नहीं है। रेलवे अधिकारियों ने कहा कि मध्य रेलवे और पश्चिमी रेलवे दोनों मार्गों पर लोकल ट्रेनें सामान्य रूप से चल रही हैं, लेकिन कुछ यात्रियों ने दावा किया कि उपनगरीय सेवाओं में देरी हो रही है।

पानीपत में मुंबई के युवक से धोखाधड़ी कर ठगे 1.12 लाख रुपए...

ठगों ने ऐसे लिया झांसे में

पानीपत : आए दिन ठगी के मामले सामने आ रहे है जहां पानीपत जिले के समालखा कस्बे में मुंबई के रहने वाले व्यक्ति को एटीएम क्लोनरों ने अपना शिकार बना लिया। ठगों ने उस वक्त वारदात को अंजाम दिया, जब वह पैसे निकालने के लिए एटीएम बूथ पर गया था। इसी दौरान वहां खड़े युवकों ने उसे अपने झांसे में ले लिया।

बातों में उलझा कर लिया झांसे में

शिकायतकर्ता ने बताया कि वह मुंबई डायौली का रहने वाला है। 24 जून को वह परिवार सहित गांव पट्टीकल्याणा में अपने ससुराल आया था। उसने रेलवे रोड के पास स्थित एक निजी बैंक के अळट का प्रयोग किया।

इस दौरान उसने दो बार में 10-10 हजार रुपए निकलवाए। एटीएम बूथ में पहले से ही तीन-चार युवक खड़े थे। पैसे निकालने के बाद उन दोनों युवकों ने पीछे से आवाज लगाई और कहा कि अपने बैलेंस की पर्ची निकाल लो। विक्रम को लगा शायद पर्ची निकालना जरूरी होगा, वह बूथ में वापस आया। इस दौरान युवकों ने उसे बातों में उलझा कर उससे उसका डेबिट कार्ड ले लिया। पलक झपकते ही उन्होंने कार्ड बदल लिया। विक्रम बैलेंस पर्ची निकालने के बाद वहां से वापस चला गया। अगले दिन उसने अपना बैलेंस चेक किया तो देखा कि उसके खाते से 1 लाख 12 हजार 500 रुपए धोखाधड़ी से निकाल लिए गए हैं।

26/11 हमलों पर पूछा गया सवाल तो बोला पाकिस्तानी अवाम- सब झूठ...

हमारे पेशावर में 117 बच्चे भारत ने मार दिए क्या

पाकिस्तान : पाकिस्तान हमेशा आतंकवाद को बढ़ावा देता है. इस बात को सारी दुनिया जानती है. पाकिस्तान खासकर भारत को निशाना बनाते हुए कई मौकों पर आतंकवादी हमलों को अंजाम दे चुका है. साल 2008 में हुए दर्दनाक मुंबई आतंकी हमले में पाकिस्तान का हाथ था. पूरी दुनिया में पाकिस्तान आतंकवाद को लेकर बेनकाब हो गया है. हालांकि उसके बाद भी वहां की सरकार और अवाम अपनी गलतियों को छुपाने में लगी हुई है. अब से कुछ महीने पहले शोएब मलिक नाम के पाकिस्तानी यूट्यूबर ने पाकिस्तान की अवाम से आतंकवाद से जुड़ा सवाल किया. इस सवाल पर पाकिस्तानी जनता ने भारत को ही दोषी ठहरा दिया. एक पाकिस्तानी शख्स ने तो यहां तक कह दिया कि पाकिस्तान के पेशावर हमले में जो 117 बच्चे मरे उसके पीछे भारत का हाथ था.

लोग इस्लाम धर्म पर ही निशाना बनाते हैं

पाकिस्तान के यूट्यूबर ने मुंबई हमले से जुड़े सवाल अवाम के बीच जाकर पूछा. इस सवाल पर जवाब देते हुए लोगों ने कहा कि भारत हम पर इल्जाम लगाता है. हम डिफेंसिव हो गए थे, हमें डिफेंसिव नहीं होना चाहिए था. हमारे यहां भी बहुत सी चीजें होती है, जो दूसरे मुल्क से ऑपरेट होता है, लेकिन हम चीजों को स्टेब्लिस नहीं कर पाते हैं. अजमल कसाब के संबंध पर जब सवाल किया गया तो पाकिस्तानी शख्स ने कहा कि वो हमारे तरफ का नहीं था. लोग इस्लाम धर्म पर ही निशाना बनाते हैं.

अटैक के पीछे रॉ और ISI के हेड

मुंबई हमले पर एक पाकिस्तानी सिविल इंजीनियरिंग पेशे से जुड़े शख्स ने कहा भारत सरासर गलत इल्जाम पाकिस्तान पर लगा रहा है. अजमल कसाब का किसी भी तरह से ताल्लुक नहीं था. ये सारा प्री-प्लान था. जो भी अटैक होते हैं, उसके पीछे रॉ और क्रूक के हेड होते हैं. ये सारे काम इमेज को खराब करने के लिए होता है.

अगले मॉनसून तक मनपा मैनहोल पर लगा देगी सुरक्षा जाली

बारिश शुरू होने के बाद मनपा आई मैनहोल की याद

मुंबई : मैनहोल की सुरक्षा को लेकर पिछले दिनों मुंबई हाई कोर्ट ने मनपा प्रशासन को फटकार लगाई थी। मनपा प्रशासन को अब नई जाली लगाने की याद आई है लेकिन वह भी बारिश शुरू हो जाने पर। मनपा प्रशासन को मुंबई की जनता के मूलभूत सुविधा को लेकर कितना ध्यान रखती है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है। मनपा को कोर्ट की फटकार के बाद सुरक्षा जाली लगाने की याद आई है। मनपा इसके पहले फाइबर की जाली लगाने का निर्णय लिया था उसके बाद मनपा ने अलार्म लगी जाली लगाने का निर्णय लिया था लेकिन मनपा सिर्फ दिखावा करने का काम कर रही थी।

मनपा अतिरिक्त आयुक्त (प्रोजेक्ट) पी वेलरासू ने कहा कि स्टॉर्म वॉटर ड्रेनेज लाइन, सीवरेज लाइन और गटर सहित मैनहोल पर लगे ढक्कन के ऊपर सुरक्षा जाली लगाई जाएगी। इसके लिए मनपा ने सुरक्षा जाली की डिजाइन तैयार की है। मुंबई में मैनहोल पर यह सुरक्षा जाली चरणबद्ध तरीके से लगाई जाएगी। इससे बारिश के दौरान होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने में मदद मिलेगी। मनपा अतिरिक्त आयुक्त ने कहा कि अगले मॉनसून तक मुंबई में मैनहोल पर सुरक्षा जाली लगा दी जाएगी। मुंबई में स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज लाइन और सीवरेज लाइन का एक बड़ा जाल बिछा है। जिसकी सफाई, रखरखाव और मरम्मत के लिए मैनहोल हैं। इन मैनहोलों को ढक दिया जाता है ताकि कोई आदमी या जानवर या वाहन इनमें न गिर सके। नागरिकों द्वारा इन मैनहोलों के ढक्कन हटा दिए जाते हैं या कभी-कभी ये ढक्कन चोरी हो जाते हैं जिससे दुर्घटनाएं घटित हो जाती हैं। मैनहोलों को और अधिक सुरक्षित बनाने के लिए प्रशासन द्वारा उठाए जाने वाले उपायों के तहत पिछले दिनों मनपा आयुक्त चहल ने मुंबई में मैनहोल सर्वे करने का निर्देश दिया था । बता दें कि वर्ष 2017 में बारिश के दौरान एलफिंस्टन रोड स्टेशन के सामने खुले मैनहोल में गिरकर डॉ.अमरापुरकर की मृत्यु हो गई थी। उनकी डेड बॉडी बाद में वर्ली में बरामद हुई थी। डॉ. अमरापुरकर की घटना के बाद मनपा ने जांच कर मुंबई में सभी मेनहोल पर सुरक्षा जाली लगाने की मुहिम शुरू की थी। लेकिन पिछले 6 साल बाद भी सभी मैनहोल पर सुरक्षा जाली नहीं लग पाई है। मनपा अतिरिक्त आयुक्त वेलरासू ने कहा कि मनपा उन स्थानों पर प्राथमिकता के आधार पर सुरक्षा जाली लगाने का अभियान चलाया है जहां भारी बारिश के दौरान जलजमाव होता है। मुंबई में मैनहोल की बड़ी संख्या को देखते हुए अगले मॉनसून से पहले सुरक्षा जाली लगाने का लक्ष्य है।

12 घंटे में ढक्कन लगाए जाएंगे

मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि मैनहोलों के ढक्कन की चोरी जैसी घटनाओं के बाद शिकायत मिलने के 12 घंटे के भीतर वहां नया ढक्कन लगाया जाएगा। साथ ही खुले मैनहोलों पर बैरिकेडिंग की जाएगी।

शरद पवार की सहमति से हुई NCP में फूट?

राज ठाकरे का दावा

पुणेः महाराष्ट्र में मची सियासी उठा पटक और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में बगावत मामले में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे के दावे ने नया मोड़ ला दिया है. एमएनएस के अध्यक्ष राज ठाकरे ने दावा किया है कि महाराष्ट्र के राजनीतिक घटनाक्रम में खुद एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार का आशीर्वाद हो सकता है. राज ठाकरे ने पत्रकारों से कहा कीएनसीपी नेता अजित पवार और 8 अन्य विधायक रविवार को शरद पवार के नेतृत्व वाली पार्टी को तोड़कर राज्य की शिवसेना-भाजपा सरकार में शामिल हो गए. राज ठाकरे ने कहा कीराज्य में जो हुआ वह बहुत घृणित है... यह राज्य के मतदाताओं के अपमान के अलावा और कुछ नहीं है.

उन्होंने कहा कीशरद पवार ने महाराष्ट्र में इन सभी चीजों की शुरूआत की थी. उन्होंने पहली बार 1978 में ‘पुलोद’ (पुरोगामी लोकशाही दल) सरकार का प्रयोग किया था. महाराष्ट्र ने कभी भी ऐसे राजनीतिक परिदृश्य नहीं देखे थे. उन्होंने आगे यह भी कहा कीये सभी चीजें पवार के साथ शुरू हुईं और पवार के साथ समाप्त हुईं. इसके बाद मनसे प्रमुख ने दावा किया कि हालिया घटनाक्रम के पीछे खुद शरद पवार हो सकते हैं.

महामार्ग की दशा खराब !

कल्याण : कल्याण से मुरबाड-नगर जाने वाला राष्ट्रीय महामार्ग बारिश के थपेड़ों को नहीं सह पाया और दो दिन की बरसात में ही सड़क से सीमेंट बह गई और सड़क की सरिया उखड़ गई। मजे की बात यह है कि इस महामार्ग की मरम्मत का काम बरसात के कुछ दिन पहले ही किया गया था। ऊपर से चापलूसों द्वारा लगाए गए धन्यवाद बैनर आम नागरिकों के उपहास का पात्र बन रहे हैं। बता दें कि कल्याण से नगर राष्ट्रीय महामार्ग को बनाने में करोड़ों रुपए खर्च किए गए हैं। इस सड़क को बनाने में निर्धारित समय से कहीं अधिक समय लग गया। इस दौरान कई हादसे भी हुए, लोगों ने सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन भी किया।

सड़क की स्थिति ऐसी है कि वह भ्रष्टाचार की दुहाई दे रहा है। सड़क को शुरू हुए दो माह भी नहीं हुए कि सड़क से सीमेंट ही उखड़ गई। सड़क में डाली गई सरिया दिखाई देने लगी है। अब स्थिति यह है कि सड़क के बीच पड़ी दरार में केमिकल भरा जा रहा है। वैसे इस महामार्ग की दशा शहाड रेलवे पुल से लेकर, थरवानी इमारत, कांबा गांव तक की स्थिति खराब है। युवासेना शहर अधिकारी निकेत व्यवहारे ने इस विषय को प्रमुखता से उठाया और यह मांग की है कि इस घटिया महामार्ग को फिर से बनाया जाए, साथ ही महामार्ग के निर्माण के समय काटे गए साढ़े तीन सौ के करीब पेड़ों को फिर से लगाया जाए। ऐसा नहीं करने पर निकेत व्यवहारे ने आंदोलन की चेतावनी दी है।

पुलिस अपने पावर का इस्तेमाल करते हुए किसी के घर देर रात दस्तक नहीं - हाईकोर्ट

मुंबई : हाईकोर्ट ने एक वित्तीय विवाद मामले की सुनवाई के दौरान मुंबई पुलिस को लताड़ लगाई है। कोर्ट ने पुलिस से कहा कि अपने पावर का इस्तेमाल करते हुए किसी के घर देर रात दस्तक नहीं दे सकते हैं। कोर्ट ने कहा कि पुलिस को कानून के मुताबिक कार्य करना चाहिए। अदालत ने देर रात एक शख्स के घर में जानेवाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ जांच करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने जोन ११ के डीसीपी को समता नगर पुलिस स्टेशन से जुड़े ६ पुलिसकर्मियों के खिलाफ चार सप्ताह में जांच रिपोर्ट पेश करने को कहा है।

मिली जानकारी के अनुसार, जस्टिस रेवती मोहिते ढेरे व जस्टिस गौरी गोडसे की बेंच ने कांदिवली के ठाकुर विलेज निवासी भूषण भावसार की याचिका पर सुनवाई के बाद यह आदेश दिया है। याचिका के मुताबिक, पैसे के लेन-देन से जुड़े विवाद को लेकर २९ मार्च २०२३ को रात १२ बजे के बाद पुलिसकर्मी उनके घर पर आए थे। याचिका के मुताबिक, ऋचा अग्रवाल नामक महिला के इशारे पर पुलिस आई थी। उनके और अग्रवाल के बीच वित्तीय विवाद है। सादे कपड़े में उनके घर आए पुलिसकर्मियों ने विवाद को सुलझाने के लिए उन्हें धमकाया और दबाव बनाया था। उन्हें अग्रवाल से बात करने के लिए भी कहा गया। याचिकाकर्ता ने अपने दावों की पुष्टि के लिए सीसीटीवी फुटेज भी पेश किया था। उल्लेखनीय है कि सीसीटीवी फुटेज व उसकी ट्रांसक्रिप्ट पर गौर करने के बाद बेंच ने सोमवार को पुलिस के काम के तौर-तरीके को लेकर कड़ी नाराजगी जाहिर की थी। बेंच ने कहा था कि पुलिस कानून के हिसाब से काम करे। बेंच ने नॉर्थ रीजन के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त राजीव जैन को कोर्ट में तलब किया था। कोर्ट के निर्देश के तहत अतिरिक्त पुलिस आयुक्त जैन कोर्ट में उपस्थित हुए।

भुजबल ने की शरद पवार की तारीफ

मुंबई : महाराष्ट्र के मंत्री एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता छगन भुजबल ने बुधवार को शरद पवार की प्रशंसा करते हुए उन्हें भगवान विठ्ठल जैसा बताया। राकांपा में विभाजन के बाद यहां मुंबई एजुकेशनल ट्रस्ट (एमईटी) में अजित पवार गुट के पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने अपने आसपास के पार्टी नेताओं के एक समूह पर परोक्ष रूप से हमला करने का अवसर जब्त कर लिया। राकांपा के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल और जितेंद्र अवहाद पर परोक्ष हमला करते हुए श्री भुजबल ने कहा, ‘‘हम शरद पवार के प्रति वफादार रहे, लेकिन ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि हमारे विठ्ठल (पवार) चापलूसों से घिरे हुए थे।’’

महाराष्ट्र की राजनीति में नई नहीं है चाचा-भतीजे की 'लड़ाई'... ठाकरे, मुंडे के बाद अब पवार Vs पवार में है जंग

महाराष्ट्र : चाचा-भतीजे का विवाद महाराष्ट्र के लिए कोई नई बात नहीं है. क्योंकि प्रदेश में चाचा-भतीजे के विवाद हमेशा चर्चा में रहते हैं. राजनीतिक टकराव के कारण चाचा-भतीजा विवाद की ऐसी कई कहानियां राज्य ने देखी हैं. कभी-कभी भतीजा चाचा से नाराज होता है तो उसकी नाराजगी दूर कर दी जाती है. सुलह हो जाती है और विषय को कुछ देर के लिए छोड़ दिया जाता है. फिलहाल, चाचा-भतीजे शरद पवार और अजित पवार की लड़ाई ने राज्य में सरगर्मी बढ़ा दी है. अजित पवार और शरद पवार के बीच विवाद अब चरम पर पहुंच गया है. तो महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर चाचा-भतीजे के बीच विवाद शुरू हो गया

है. एबीपी माझा की एक खबर के अनुसार, चाचा-भतीजे के बीच पहले भी राजनीतिक मतभेद रहे हैं. ठाकरे, मुंडे, देशमुख जैसी लंबी सूची है.

बालासाहेब ठाकरे और राज ठाकरे

बालासाहेब के जीवनकाल में यह सवाल था कि शिवसेना की कमान किसे सौंपनी चाहिए...राज को या उद्धव को...बालासाहेब ने उद्धव ठाकरे को चुना और उन्हें कार्यकारी अध्यक्ष का पद दिया और अंततः इसका परिणाम यह हुआ कि उन्होंने अपनी अलग पार्टी बना ली. 27 नवंबर 2005 को राज ठाकरे ने शिवसेना छोड़ दी. महाराष्ट्र नवनिर्माण पार्टी की स्थापना 9 मार्च 2006 को हुई थी. पहली बार किसी ठाकरे ने शिवसेना छोड़ी. इसे महाराष्ट्र में चाचा-भतीजा विवाद की बड़ी घटना के तौर पर देखा जा रहा है.

गोपीनाथ मुंडे-धनंजय मुंडे

बीड जिले में गोपीनाथ मुंडे धनंजय मुंडे चाचा और भतीजे में विवाद हो गया. धनंजय मुंडे को गोपीनाथ मुंडे के राजनीतिक उत्तराधिकारी के रूप में देखा जाता था. धनंजय मुंडे को गोपीनाथ मुंडे ने बीड की राजनीति की बड़ी जिम्मेदारी सौंपी थी. गोपीनाथ मुंडे केंद्र में चले गए,

खुले में पकाया हुआ खाने से आम नागरिक बीमार!

ठाणे : बरसात का मौसम आते ही आम नागरिक खुले में मिलनेवाले वड़ा-पाव, भज्जी और अन्य खाद्य पदार्थ खाना पसंद करते हैं। खुले में बनाए जानेवाले खाद्य पदार्थ में इस्तेमाल की जानेवाली सामग्री की गुणवत्ता निचले स्तर की होती है, वहीं खुले में खाद्य पदार्थ बनाते समय धूल और अन्य कीटाणु जाकर मिल जाते हैं। इस वजह से खुले में पकाया हुआ खाने से आम नागरिक बीमार पड़ सकता है और उसे दवाखाना जाने तक की नौबत आ सकती है। इसके बावजूद महानगरपालिका, अन्न व औषध विभाग नींद में होने से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

बता दें कि बरसात का मौसम शुरू हो चुका है। बरसात के मौसम में विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट खाद्य पदार्थ खाने का मन करता है। आम लोग अपना मन रखने के लिए इन खाद्य पदार्थों को खा लेते हैं, लेकिन खुले में पकाए हुए और रखे हुए खाद्य पदार्थों पर किटाणु तथा जर्म्स आकर बैठ जाते हैं। यही किटाणु जब खाद्य पदार्थों के साथ आम इंसान के पेट में जाते हैं, तब इंसान को विभिन्न प्रकार की बीमारियां होने की संभावना होती है। ठाणे जिले में आनेवाली ६ महानगरपालिका क्षेत्र में खुले में खाद्य पदार्थों की धड़ल्ले से बिक्री हो रही है। इसके बावजूद ठाणे महानगरपालिका और अन्न औषध विभाग सड़कों पर बेचनेवालों पर किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं कर रहा है। ठाणे जिला अस्पताल अधीक्षक कैलाश पवार ने बताया कि बरसात के मौसम में हवा में धुलीकण और कीटाणु नम हवा में तेजी से फैलते हैं। खुले में रखा हुआ और बनाया गया खाद्य पदार्थ पौष्टिक नहीं होता है साथ ही इंसान को आसानी से बीमार कर सकता है। डॉक्टरों का कहना है कि खुले में बनाए हुए खाद्य पदार्थों का सेवन करने से बचना चाहिए।

हाईवे पर दुर्घटनाओं की संख्या में वृद्धि, ५ हजार ८९७ जानलेवा दुर्घटनाएं, ६,४७३ लोगों की मौत

मुंबई : सड़क परिवहन के लिहाज से अहम राज्य की सड़कें अब मौत का हाईवे बन गई हैं। हाईवे पर हवा की गति से चल रही गाड़ियों के कारण दुर्घटनाओं की संख्या में वृद्धि हुई है। पिछले पांच महीनों में राज्य में ५ हजार ८९७ जानलेवा दुर्घटनाएं हुई हैं, जिनमें ६,४७३ लोगों की जान चली गई है। दुर्घटनाओं में पीड़ितों की संख्या चिंताजनक है। समृद्धि हाईवे पर एक प्राइवेट लग्जरी बस हादसे में २५ लोगों की जान चली गई है इसलिए, सड़क दुर्घटनाओं और सड़क दुर्घटनाओं के पीड़ितों का मुद्दा एक बार फिर से सामने आया है।

परिवहन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी से मई तक पांच महीने की अवधि में हाईवे पर करीब ६ हजार हादसे हुए हैं और पीड़ितों की संख्या भी ज्यादा है। पिछले साल इसी समय के दौरान ६,३३७ दुर्घटनाओं में ६,९१५ लोग मारे गए थे। ये हादसे वाहनों की बढ़ती रफ्तार के कारण हो रहे हैं। चूंकि दुर्घटना के शिकार ९० प्रतिशत पुरुष होते हैं इसलिए उनके परिवार को आर्थिक रूप से संकट का सामना करना पड़ता है। अन्य हाईवे पर हो रही दुर्घटनाएं तेज गति से वाहन चलाने और ब्रेक फेल होने की वजह से हो रही हैं लेकिन समृद्धि एक्सप्रेस-वे पर अधिकतर घटनाएं हाईवे हिप्नोसिस की वजह से हो रही हैं। हाईवे हिप्नोसिस को दूर करने के लिए सरकार को थोड़ी-थोड़ी दूरी पर एक स्ट्रिक्ट स्टॉप बनाना चाहिए, जिसकी वजह से लोग कुछ देर रुकेंगे और हाईवे हिप्नोसिस से बच सकेंगे।

ऑटोरिक्शा ड्राइवर की बेटी ने नीट की परीक्षा क्वॉलीफाई कर एक मिसाल कायम की

मुंबई : गोवंडी, बैगनवाड़ी स्थित झोपड़पट्टी के एक छोटे से घर में रहनेवाली ऑटोरिक्शा ड्राइवर की बेटी अशफिया सलीम ने नीट की परीक्षा क्वॉलीफाई कर एक मिसाल कायम की है। इस परीक्षा में ५९४ अंक हासिल कर अशफिया ने गोवंडी का नाम रोशन कर दिया है। अशफिया की सफलता से न सिर्फ परिवार, बल्कि पूरा गोवंडी इलाका खुशी मना रहा है।

गोवंडी झोपड़पट्टी बहुल इलाका है, जहां शिक्षा के मामले में लोग पिछड़े हैं, लेकिन अशफिया की सफलता ने लोगों की इस सोच को बदलने का काम किया है। गरीबी और आर्थिक संघर्ष के बीच पली-बढ़ी अशफिया किसी तरह अपनी पढ़ाई कर रही थी। अशफिया की लगन और मेहनत को देखकर लोग खुद-ब-खुद आगे आकर अशफिया की पढ़ाई के लिए उसकी मदद करते थे। ऐसे में इलका एज्युकेयर के प्रमुख मंसूरी यासिर अब्दुल्ला ने नीट की तैयारी के लिए असफिया को मुफ्त शिक्षा देने का फैसला किया। उनका

कहना है कि अशफिया सलीम बेहद टैलेंटेड छात्रा है। उसके परिवार वालों ने उसे हमारे क्लासेस में नीट की तैयारी के लिए एडमिशन देने की पेशकश की, लेकिन फीस सुनकर वो पीछे हट गए थे। पैसे की तंगी के कारण चाहकर भी वो अशफिया को नीट परीक्षा की पढ़ाई नहीं करा पा रहे थे। यह देख मंसूरी यासिर अब्दुल्ला ने इस टैलेंटेड छात्रा की मदद करने का फैसला किया और उससे कोई फीस नहीं ली। आज जब अशफिया ने पूरे गोवंडी में टॉप किया, तब मंसूरी की भी खुशी का कोई ठिकाना नहीं रहा। मंसूरी यासिर अब्दुल्ला का कहना है कि अशफिया की क्षमता देखकर हमने उससे फीस नहीं लेने का फैसला किया था, आज अशफिया ने हमारे पैष्ठसले को सही साबित कर दिया। अशफिया की इस सफलता पर जगह-जगह उसे सम्मानित किया जा रहा है। उसका यह सम्मान सिर्फ सम्मान ही नहीं, बल्कि गोवंडी जैसे इलाके के छात्रों के लिए एक प्रेरणादायक बात है। वैसे २०२३ के नीट का रिजल्ट जारी होने के बाद लाखों सफल उम्मीदवारों के घरों में खुशियां मनाई जा रही हैं, सभी के रिश्तेदार, दोस्त और पड़ोस के लोग देश की कठिन परीक्षा माने जानेवाले नीट परीक्षा में सफलता हासिल करनेवालों को बधाई दे रहे हैं, वही गोवंडी निवासी अशफिया के घरवालों के लिए यह सफलता किसी अजूबे से कम नहीं है। अशफिया ने अपनी सफलता के झंडे गाड़ दिए जो वाकई में सराहनीय है। अपनी कामयाबी का पूरा श्रेय अशफिया अपने माता-पिता और शिक्षकों को दे रही है। अशफिया का कहना है कि उनका साथ होने के कारण ही मैं आज कामयाब हुई हूं।

चर्चगेट से रात 11.46 की लोकल ट्रेन को विरार तक विस्तारित करने की माँग

मुंबई : रेल यात्री ने माँग की है कि चर्चगेट से रात ११.४६ की लोकल ट्रेन को विरार तक विस्तारित कर विरार तक के यात्रियों को राहत दीयया जाए। अतः रेल मंत्रालय से मेरा अनुरोध है कि उक्त ट्रेन को विरार तक विस्तारित कर यात्रियों को राहत प्रदान की जाए। वहीं दूसरी ओर वर्तमान समय में पश्चिम रेलवे जो कभी अपनी पंक्चुअल्टी के लिए जानी जाती थी, वह लेट-लतीफी का शिकार हो चुकी है। हालात यह हो गए हैं कि चर्चगेट से विरार और विरार से चर्चगेट की तरफ यात्रा करनेवाले प्रवासियों को काफी परेशानियां झेलनी पड़ रही हैं। अधिकांश लोकल ट्रेनें या तो देरी से चल रही हैं अथवा समय से पूर्व ही स्टेशन से निकल जा रही हैं, जिससे लोकल ट्रेनें असमय के रोग से ग्रसित हो गई हैं। यात्री न तो कार्यालय समय पर पहुंच पा रहे हैं और न ही घर।

एनसीपी नेता अनिल देशमुख बोले- महाराष्ट्र में पिक्चर अभी बाकी है... अजीत पवार के नंबर गेम पर मत जाइए

मुंबई : एनसीपी के मराठा सरदार शरद पवार के सामने 83 साल की उम्र में पार्टी के साथ अपना राजनीतिक वजूद बचाने की चुनौती है। जबकि भतीजे अजीत पवार के सामने शरद पवार की कुर्सी, पद और वैसी ही प्रतिष्ठा पाने का लक्ष्य। इसी इरादे से अजीत पवार महाराष्ट्र में उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद अब अपना दावा जता रहे हैं। अमर उजाला से विशेष बातचीत में शरद पवार के विश्वासपात्र और पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख कहते हैं, महाराष्ट्र में पिक्चर अभी बाकी है। 18 विधायक और पांच से अधिक विधान परिषद के सदस्य हमारे साथ हैं। बस थोड़ा सा इंतजार कीजिए। जवाब में अजीत पवार के साथ मंत्री पद की शपथ ले चुके शरद पवार के पूर्व विश्वासपात्र छगन भुजबल कहते हैं कि हम ऐसे ही शपथ लेने नहीं चले आए थे। आने के पहले काफी होमवर्क किया है। अजीत पवार खेमे के विधायकों का कहना है कि इस बार 2019 नहीं दोहराया जाएगा। अब हम महाराष्ट्र में भाजपा और शिवसेना (एकनाथ शिंदे) की

सरकार के साथ हैं। अजीत पवार के करीबी सूत्र का कहना है कि पार्टी और सिंबल दोनों अजीत पवार के पास हैं, क्योंकि शरद पवार तो पार्टी के अध्यक्ष ही नहीं हैं।

चुनाव चिन्ह हमारा है, अजीत पवार के नंबर गेम पर अभी मत जाइए

अनिल देशमुख के मुताबिक पांच जुलाई को बुलाई गई बैठक में 18 विधायकों ने हिस्सा लिया। पांच सांसद थे। तीन विधान परिषद सदस्य भी थे। देशमुख के मुताबिक विधायकों की यह संख्या बढ़ेगी। वह कहते हैं कि अजीत पवार के खेमे के लोगों के नंबर गेम के दावे पर मत जाइए। चुनाव चिन्ह भी हमारे पास है। क्योंकि पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार हैं। जो अध्यक्ष होता है, पार्टी और चिन्ह पर उसी का दावा रहता है। अनिल देशमुख के मुताबिक शरद पवार को राजनीति, नियम कायदे की पूरी जानकारी है। वह प्रक्रियाओं को भी समझते हैं।

प्रफुल्ल, भुजबल, तटकरे जैसे विश्वासपात्रों ने छोड़ा साथ?

शरद पवार का साथ उनके दाहिने हाथ माने जाने वाले केंद्रीय मंत्री प्रफुल्ल पटेल ने छोड़ दिया। अजीत पवार के साथ चले गए। छगन भुजबल और तटकरे ने भी छोड़ दिया। इस पर अनिल देशमुख ने कहा कि ये नेता भारी दबाव में थे। पद के लालच और जांच एजेंसियों के दबाव में इन्होंने शरद पवार का साथ छोड़ दिया। अजीत पवार के साथ बागी हो गए।

शरद पवार को अजीत का साथ देना चाहिए: भुजबल

छगन भुजबाल ने कहा कि मंत्री पद की शपथ लेने से पहले उन्होंने और अजीत पवार के साथ आए प्रमुख लोगों ने काफी होमवर्क किया है। वह अब भी कह रहे हैं कि शरद पवार साहब एनसीपी को बर्बाद करने वाले नेताओं से घिर गए हैं। उन्हें सोचना चाहिए और अजीत पवार का साथ देना चाहिए। छगन भुजबल का कहना है कि शरद पवार अपने आस-पास से ऐसे नेताओं को हटाएं, तो उनका साथ छोड़ने वाले नेता वापस लौट सकते हैं। कुल मिलाकर शरद पवार की राजनीतिक लड़ाई अब नाक की लड़ाई बन चुकी है।

जब शरद पवार साहब क्षेत्र में निकलेंगे तो सब समझ में आएगा

यह भरोसा शरद पवार को भी है। उन्होंने जमीनी मराठा राजनीति की है। शरद पवार ने अजीत पवार की बगावत को शिवसेना के उद्धव ठाकरे के साथ हुई बगावत जैसा ही बताया है। उनकी बेटी सुप्रिया सूले को भी भरोसा है कि जनता और पार्टी संगठन बड़े पवार के साथ है। अनिल देशमुख दावा करते हैं कि थोड़ा इंतजार कर लीजिए। शरद पवार गुरुवार को दिल्ली में हैं। वहां से लौटने के बाद महाराष्ट्र में जिलावार दौरा करेंगे। जनता के बीच में जाएंगे। जब शरद पवार क्षेत्र में जाएंगे तो आपको फर्क साफ दिखाई देने लगेगा। अनिल देशमुख का कहना है कि तब अजीत पवार के साथ खड़े दिखाई देने वाले विधायकों और लोगों की संख्या स्वतः कम हो जाएगी। लोग उन्हें छोड़कर हटने लगेंगे।

उद्धव ठाकरे से माफी मांगकर घर वापसी को तैयार एकनाथ शिंदे गुट... सांसद विनायक राउत का बड़ा दावा

मुंबईः एकनाथ शिंदे-देवेंद्र फडणवीस सरकार में अजित पवार के आने से महाराष्ट्र में राजनीतकि सरगर्मी तेज हो गई है। उद्धव बालासाहेब ठाकरे पार्टी के सांसद विनायक राउत ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि अजति पवार को उपमुख्यमंत्री बनाकर एनसीपी के 8 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाए जाने से शिंदे गुट में नाराजगी है। एनसीपी के शामिल होने से शिंदे गुट के उन विधायकों के मंसूबों पर पानी फिर गया है जो आगामी कैबिनेट विस्तार में मौका मिलने का सपना देख रहे हैं। विनायक राउत ने दावा किया कि अब शिंदे

गुट के विधायकों का एक गुट फिर से उद्धव ठाकरे के साथ जाने पर चर्चा कर रहा है। दरअसल सांसद वनियक राउत गुरुवार को मुंबई में मीडिया से बात कर रहे थे। इस दौरान संजय राउत ने कहा कि जिस दिन अजितदादा और उनकी कंपनी वहां कूदी, उसी दिन शिंदे गुट के विधायकों ने बगावत शुरू कर दी। विधायकों के इस आक्रोश को रोकते हुए एकनाथ शिंदे का गुस्सा भड़क गया है। उनकी हालत दयनीय हो गई है। कई विधायक कह रहे हैं, हम जिस सदन में थे, वहीं ठीक हैं। एक मंत्री ने बयान दिया कि अगर मातोश्री हमारी मदद करेगा तो हम उसे सकारात्मक जवाब जरूर देंगे।

हल्की-फुल्की हाथापाई की भी खबरें....

मंत्री पद की दावेदारी कर रहे दो विधायकों के बीच मंगलवार को जुबानी झड़प हो गई। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों के बीच हल्की-फुल्की हाथापाई की भी खबरें आ रही हैं। विधायकों के बीच मारपीट की खबर सुनकर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को आधे रास्ते से ही नागपुर छोड़कर मुंबई लौटना पड़ा। उनकी मौजूदगी में बुधवार देर रात तक वर्षा बंगले पर विधायकों को समझाने की कोशिशें चलती रहीं। इसके बाद बुधवार रात वर्षा बंगले पर विधायकों और सांसदों की बैठक भी हुई। इस बैठक के बाद शिंदे गुट के विधायक कह रहे हैं कि सब कुछ ठीक है, लेकिन इस बात की चर्चा जोरों पर है कि असल में हालात कुछ और हैं।

शिंदे गुट के दो विधायकों के बीच बहस?

सरकार में अजित पवार की एंट्री के बाद से ही शिंदे गुट में काफी उथल-पुथल मची हुई है और इसका विस्फोट मंगलवार रात को देखने को मिला। विश्वसनीय रिपोर्ट है कि इसी मुद्दे पर मंगलवार शाम दो विधायकों में झगड़ा हो गया। नए सत्ता समीकरण के मुताबिक शिंदे गुट को तीन से चार मंत्री पद ही और मिलने की संभावना है। इसलिए इसमें अपना नाम लेने के लिए शिंदे गुट के विधायकों में दरार पैदा हो गई है। कुछ विधायकों ने सार्वजनिक रूप से मांग की है कि ह्यजो लोग पिछले एक साल से मंत्री पद का आनंद लेने में सक्षम थे उन्हें हटा दिया जाए और दूसरों को मौका दिया जाए।

महाराष्ट्र में अजित के 'पावर' से बीजेपी कितनी होगी मजबूत, 2024 के चुनाव में होगा फायदा?

मुंबईः जैसे-जैसे 2024 का लोकसभा चुनाव करीब आ रहा है, राजनीतिक गलियारों में भारी उलट-फेर देखने को मिल रही है. बीजेपी पीएम मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का दावा भी कर रही है अब इस दावे में कितना दम है ये तो आने वाले चुनाव में ही पता चलेगा. इसके लिए बीजेपी ने कमर कस ली है और कई राज्यों में विपक्ष को घेरने की तैयारी शुरू कर दी है. वहीं दूसरी ओर, पीएम मोदी को रोकने के लिए विपक्षी दलों का एक समूह एकजुट हो गया है. बताया जा रहा है कि 2024

के मद्देनजर बीजेपी ने महाराष्ट्र में सबसे बड़ी चाल चली है.

कई राज्यों में बीजेपी की लहर कम?

एबीपी माझा के अनुसार, देश के कुछ राज्यों में बीजेपी की लहर कम होती नजर आ रही है. इस समय देखा गया कि बिहार, कर्नाटक और महाराष्ट्र में बीजेपी का प्रभाव कम हो गया है. ये तीनों वही राज्य हैं, जहां 2019 के चुनाव में बीजेपी ने एकतरफा जीत हासिल की थी. 2019 में बीजेपी, एलजेपी और जेडीयू ने बिहार की 40 में से 39 सीटें जीतीं. लेकिन, अब जेडीयू ने बीजेपी का साथ छोड़ दिया और बिहार में बीजेपी की सत्ता चली गई. वहीं कर्नाटक में बीजेपी ने 28 में से 25 सीटें जीतीं, और एक सीट उसके समर्थकों के खाते में गई, लेकिन हाल ही में कर्नाटक में हुए विधानसभा चुनाव में बीजेपी को हार का सामना करना पड़ा.

एजेंसियों के डर से बीजेपी का समर्थन किया?

एबीपी माझा के अनुसार, अजित पवार बगावत कर शिंदे-फडणवीस सरकार में शामिल हो गए हैं. उनके साथ प्रफुल्ल पटेल, छगन भुजबल और दिलीप वलसे पाटिल भी थे, जो शरद पवार के करीबी विश्वासपात्र माने जाते हैं. अजित पवार ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली और उनके साथ 8 अन्य मंत्रियों ने भी शपथ ली. कहा जा रहा है कि इन सभी ने केंद्रीय एजेंसियों के डर की वजह से बीजेपी का समर्थन किया है. लेकिन सिर्फ अजित पवार को ही बीजेपी के समर्थन की जरूरत नहीं है, बल्कि बीजेपी को 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए भी अजित पवार के समर्थन की भी जरूरत है.

स्टूडेंट्स से मुख्यमंत्री शिवराज बोले- आई लव यू

सीखो-कमाओ योजना लॉन्च की, कहा- इस 15 अगस्त से पहले 1 लाख सरकारी भर्तियां करेंगे

भोपाल। मुख्यमंत्री ने अपनी स्पीच शुरू करते हुए कहा, तनाव में मत रहो भांजे - भांजियो, टेंशन मुक्त हो जाओ, आज मैं आपकी क्लास लूंगा। मेरे और आपके रिश्ते ष्टरू और स्टूडेंट्स के नहीं हैं। प्यार, दिल और आत्मीयता के हैं। मैं आपसे बहुत प्यार करता हूं, आई लव यू। पूछा- आप लोग भी मुझसे प्यार करते हो? आगे कहा, ये स्नेह और प्रेम का रिश्ता है।

मुख्यमंत्री ने कहा, 15 अगस्त 2022 को मैंने घोषणा की थी कि 1 साल में 1 लाख सरकारी भर्तियां की जाएंगी। अब तक 55 हजार भर्तियां की जा चुकी हैं। इस 15 अगस्त से पहले 1 लाख से ज्यादा सरकारी भर्तियां हो जाएंगी।

ष्टरू ने स्टूडेंट्स से कहा, आपको बेहतर भविष्य मिले, इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हम लगातार प्रयास में हैं। एक जमाना ऐसा भी था, जब स्कूल पेड़ों के नीचे लगा करते थे। बच्चे घर से फट्टा लेकर जाते और उसी पर बैठते थे। सरकारी स्कूलों में शिक्षक नहीं गुरुजी, शिक्षाकर्मी और न जाने कौन - कौन होते थे। हमने शिक्षा में कर्मी शब्द समाप्त किया।

दूसरी सरकार ने लैपटॉप देने बंद कर दिए थे

मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर भी निशाने साधे। कहा, मैंने मेधावी बच्चों को लैपटॉप देने की शुरुआत की, लेकिन बीच में दूसरी सरकार आई तो लैपटॉप बंद कर दिए। कुछ लोग कहते हैं कि हम बेरोजगारी भत्ता देंगे। इसमें इतने बैरियर लगा देते हैं कि भत्ता मिलता ही नहीं। चिड़िया अपने बच्चों को घोंसला नहीं, पंख देती है। मैं आज पंख देने आया हूं। इसलिए हमने %सीखो-कमाओ योजना% बनाई है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने स्टूडेंट्स के सवालों के भी जवाब दिए। भोपाल के दीपक राजपूत ने कहा- प्रतिष्ठान का वेरिफिकेशन होना जरूरी है। क्योंकि, आज छोटी से छोटी दुकान का भी त्स्ञ्रद्धह और क्ष्ह नंबर होता। मान लीजिए मुझे कोई कंपनी 29 दिन में निकाल देती है, तो मेरा 29 दिन खराब होगा। मैं एक कोर्स कर रहा हूं, तो दूसरा कोर्स भी करने की प्राथमिकता होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने जवाब में कहा, हर एक संस्थान को प्रॉपर वेरिफिकेशन के बाद ही जोड़ा जाएगा। इसमें केवल त्स्ञ्रद्धह और क्ष्ह का सवाल नहीं है। संस्थान में कितने लोग काम करते हैं, स्तर क्या है, सिखा सकता है या नहीं? यह देखकर करेंगे। ट्रेनिंग का सर्टिफिकेट रोजगार बोर्ड देगा।

महाराष्ट्र जाने के लिए मप्र के यात्रियों को राहत

चलेगी 13-13 ट्रिप स्पेशल ट्रेन, भोपाल बीना, नर्मदापुरम और विदिशा जैसे स्टेशनों से गुजरेगी

भोपाल। लगातार ट्रेनों में बढ़ती भीड़ के चलते रेलवे ने महाराष्ट्र के यात्रियों को राहत देने के लिए वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-पुणे के बीच 13-13 ट्रिप स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन भोपाल रेल मंडल के बीना, विदिशा, भोपाल, नर्मदापुरम, इटारसी स्टेशन पर हॉल्ट लेकर गंतव्य को जाएगी। यह ट्रेन 5 जुलाई से शुरू होगी।

गाड़ी संख्या 01922 विरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-पुणे एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन 5 जुलाई से 27 सितंबर तक प्रति बुधवार को वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी स्टेशन से दोपहर 12.50 बजे प्रस्थान कर, 3.35 बजे बीना पहुंचकर, 4.40 बजे विदिशा पहुंचेगी। 5.40 भोपाल पहुंचकर शाम 6.57 बजे नर्मदापुरम पहुंचेगी। फिर ट्रेन रात 8.25 बजे इटारसी पहुंचकर अगले दिन सुबह 11.35 बजे पुणे स्टेशन पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09121 पुणे-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन 6 जुलाई से 28 सितंबर तक प्रति गुरुवार को पुणे स्टेशन से दोपहर 3.15 बजे प्रस्थान कर, अगले दिन रात 3.05 बजे इटारसी पहुंचकर, 3.28 बजे नर्मदापुरम स्टेशन पहुंचेगी। यहां से रवाना होकर सुबह 04.50 बजे भोपाल पहचकर ट्रेन 5.40 बजे विदिशा स्टेशन पहुंचेगी। यहां से निकलकर ट्रेन सुबह 7.05 बजे बीना पहुंचकर सुबह 9.35 बजे वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी स्टेशन पहुंचेगी। रास्ते में यह गाड़ी दोनों दिशाओं में ललितपुर, बीना,विदिशा, भोपाल, नर्मदापुरम, इटारसी, खंडवा, भुसावल, मनमाड़, कोपरगांव, अहमद नगर एवं दौंड कॉर्ड लाइन स्टेशनों पर रुकेगी।

आरक्षण विवाद का इम्पैक्ट

भोपाल। हाईकोर्ट में ओबीसी आरक्षण विवाद का मामला विचाराधीन होने के बाद भी मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) द्वारा आयोजित होने वाली भर्ती परीक्षाओं के रिजल्ट ओबीसी के 27 प्रतिशत आरक्षण के आधार पर रिजल्ट तैयार हो रहे हैं। ईएसबी ग्रुप-3 सब इंजीनियर ड्राफ्समैन, समयपाल एवं अन्य समकक्ष पदों के लिए संयुक्त भर्ती परीक्षा 2022 का रिजल्ट 73 प्रतिशत आरक्षण देकर जारी किया गया। इसमें ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण दिया, लेकिन उम्मीदवार इसके खिलाफ हाईकोर्ट जाने की बात कर रहे हैं। इधर, ग्रुप-3 सब इंजीनियर, ड्राफ्टमैन, समयपाल एवं अन्य समकक्ष पदों के लिए संयुक्त भर्ती परीक्षा- 2022 के मामले में सामान्य प्रशासन विभाग की गाइडलाइन जारी होने के बाद भी विवाद गहरा गया है। दरअसल, मेरिट होल्डर्स को नियुक्ति नहीं मिल पा रही है और उनसे कम नंबर प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों को नियुक्ति मिल गई है।

बीएमडब्ल्यू को मिनी ट्रक ने मारी जोरदार टक्कर

तीन बार पलटी खाने के बाद भी नहीं खुले एयरबैग

भोपाल। टीटीनगर इलाके में मिनी ट्रक ने बीएमडब्ल्यू कार को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार तीन बार पलटी खाई। घटना सोमवार सुबह की बताई जा रही है। हालांकि घटना में कार सवार सभी सुरक्षित हैं। गौरतलब है कि टक्कर के बाद भी कार के एयरबैग नहीं खुले। जिसकी शिकायत कार मालिक ने बीएमडब्ल्यू को की है। हालांकि पुलिस ने टक्कर मारने वाले मिनी ट्रक को कब्जे में ले लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक जानकी नगर गुफा मंदिर लालघाटी के रहने वाले संजय मेरोठा (43) पुत्र गोपाललाल मेरोठा सेल्स एन्ड मार्केटिंग का काम करते हैं। सोमवार को सुबह 6~30 बजे अपनी बेटी के साथ कार क्रमांक1 संख्या छ्व01ष्ठङ्ख1775 से न्यू मार्केट तरफ से माता मंदिर चौराहा तरफ स्विमिंग के लिए जा रहे थे। कार संजय चला रहे थे जबकि बेटी बगल वाली सीट पर बैठी थी। प्लैटिनम प्लाजा चौराहे पर पहुंचे थे तभी अटल पथ रोड की तरफ से तेज रफ्तार में आ रहे मिनी ट्रक टाटा 407 लोडिंग वाहन स्ब्क्1त3953 ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार तीन बार पलटी खाकर सीधी हो गई। हालांकि एक्सीडेंट में पिता-पुत्री पूरी तरह सुरक्षित हैं। पुलिस ट्रक को कब्जे में लेकर मामले की जांच कर रही है। टक्कर इतनी जबरदस्त मारी की सामने का कांच टूटकर सीधे कार सवारों को लगा। एक्सीडेंट में कार तीन बार पलटी खाई उसके बावजूद कार के एयरबैग नहीं खुले। इसकी शिकायत कार मालिक ने बीएमडब्ल्यू को की है। उनका कहना है कि इतनी जबरदस्त टक्कर के बाद भी गाड़ी के एयरबैग नहीं खुले। ऐसे में कोई बड़ी घटना हो सकती है। संजय ने शिकायत में गाड़ी फोटो व एफआईआर भी अटैच की है। इस पर एक्शन न होने की स्थित में संजय लीगल एक्शन भी ले सकते हैं।

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
शुक्रवार 07 जुलाई 2023

कैलाश विजयवर्गीय प्रदेश अध्यक्ष की दौड़ में नहीं

हाईकमान ने 5 चुनावी राज्यों के लिए सौंपी जिम्मेदारी; अमित शाह की चुनावी टीम में करेंगे काम

भोपाल। पिछले 15 दिन से मध्यप्रदेश में चर्चा है कि कैलाश विजयवर्गीय प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष बन सकते हैं, लेकिन ताजा जानकारी कहती है कि वे इस दौड़ से बाहर हो चुके हैं। केंद्रीय नेतृत्व ने उन्हें नई जिम्मेदारी सौंपी है। विजयवर्गीय को मध्यप्रदेश सहित पांचों राज्यों के पॉलिटिकल फीडबैक विंग की कमान सौंपी गई है। मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में विधानसभा चुनाव होने हैं। राज्यों के राजनीतिक घटनाक्रमों की जानकारी जुटाने के साथ-साथ योग्य उम्मीदवारों के चयन में भी विजयवर्गीय की भूमिका रहेगी। यह विंग केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की निगरानी में काम करेगी। नई जिम्मेदारी मिलने की पुष्टि करते हुए कैलाश विजयवर्गीय ने दैनिक भास्कर को बताया कि पांचों राज्यों में फीडबैक लेने के लिए प्रदेश संयोजकों की नियुक्ति की जाएगी। इसका निर्णय केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ बैठक में लिया जाएगा। वे बताते हैं कि 2018 के विधानसभा चुनाव में भी केंद्रीय नेतृत्व ने उन्हें कुछ ऐसी ही जिम्मेदारी सौंपी थी। इस बार किस फॉर्मूले के तहत काम करना है, यह शाह के साथ बैठक के बाद ही साफ होगा। बीजेपी के एक

सीनियर लीडर ने बताया कि पार्टी विधानसभा चुनाव जीतने के लिए योग्य उम्मीदवार, जातीय समीकरण व सकारात्मक मुद्दों को साधने की रणनीति बना रही है। पॉलिटिकल फीडबैक हासिल करने के लिए पार्टी ने नई विंग एक्टिव की है, जो चुनावी राज्यों में पार्टी की जीत के समीकरणों पर काम करेगा।

चुनावी राज्यों में अनुभवी नेताओं को प्रदेश संयोजक बनाएंगे : हर विधानसभा सीट के जातीय समीकरणों से लेकर लोकल मुद्दों का जमीन पर असर और विपक्ष के संभावित उम्मीदवारों का समय रहते पता लगाकर पार्टी को योग्य उम्मीदवारों का चयन में भूमिका भी निभाएगा। ग्राउंड से रियल फीडबैक पार्टी को समय से पहले मिल जाए। इसको ध्यान में रखते हुए भाजपा ने पहली बार इस तरह का प्रयोग किया है। चुनावी राज्यों में अनुभवी नेताओं को प्रदेश संयोजक बनाए जाएंगे।

कांग्रेस के संभावित उम्मीदवार कौन?

यह विंग राष्ट्रीय और प्रदेश नेतृत्व को मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस की ओर से चल रही तैयारियों के बारे में भी रिपोर्ट देगा। साथ में यह भी फीडबैक दिया जाएगा कि कांग्रेस की ओर से संभावित उम्मीदवार के उतारे जाने की स्थिति में बीजेपी को किस जाति वर्ग के उम्मीदवार को उतारना फायदेमंद होगा। खास बात यह है कि फीडबैक में किसी व्यक्ति विशेष का नाम नहीं होगा, लेकिन जाति-वर्ग की स्थितियों का आंकलन स्पष्ट रूप से किया जाएगा। बता दें कि कांग्रेस ने उन सीटों पर तीन महीने पहले उम्मीदवारों की घोषणा की है, जहां कांग्रेस पिछले कई चुनावों में लगातार हारती आ रही है। प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने सर्वे के आधार पर कई विधायकों को भी परफर्मेंस सुधारने व क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा समय देने की चेतावनी नसीहत के रूप में दी है। बीजेपी इस पूरी प्रक्रिया पर नजर रख रही है।

कांग्रेस की 5 गारंटियों का कितना असर : कमलनाथ ने नारी सम्मान योजना के तहत हर महिला को 1500 रुपए महीना, 500 रुपए में गैस सिलेंडर और ओल्ड पेंशन स्कीम, किसान कर्ज माफी और 100 यूनिट बिजली बिल माफ और 200 यूनिट हॉफ करने का वादा किया है। विजयवर्गीय की अगुवाई वाली यह विंग कांग्रेस की गारंटियों को लेकर ग्राउंड पर असर और इससे बीजेपी को होने वाले नुकसान को लेकर विधानसभा सीट वार रिपोर्ट तैयार करेगी, ताकि पता चल सके कि कांग्रेस क्या कर रही है और उसका बीजेपी पर क्या असर आएगा और उनका काउंटर करने के लिए बीजेपी को क्या करना चाहिए?

क्षेत्रीय दलों की स्थिति और तैयारी का फीडबैक भी जुटाएगी विंग : इसके अलावा बसपा, सपा, जयस और गोंडवाना गणतंत्र पार्टी जैसे क्षेत्रीय दलों की ग्राउंड पर स्थिति और चुनावी तैयारी को लेकर भी फीडबैक जुटाया जाएगा। आम आदमी पार्टी और,ढ्स्ल्ह्रू जैसी पार्टियों की गतिविधियों और इनकी सभाओं में शामिल हो रहे जाति-समाजों के वर्गों के बारे में भी जानकारी जुटाई जाएगी, ताकि समय रहते पार्टी अपनी स्थिति को ठीक कर सके।

गीत गाकर बारिश कराने वालों की कहानी

‘बरसाती बरता’ का रहस्य, महिलाओं का दावा- गीतों से खिंचे चले आते हैं बदरा

महू। महू शहर से 25 किलोमीटर दूर बसा है ग्राम बड़िया। ये बढ़िया का अपभ्रंश हो गया है। जैसा गांव का नाम है वैसे ही गांव के लोग हैं, एकदम बढ़िया। जब हम गांव में पहुंचे तो महिलाएं एक घर के बाहर बैठकर गीत गा रही थीं। पहली नजर में लगा कि गांव में कोई शादी है। खुशी में महिलाएं मंगल गीत गा रही हैं, जब इनके गीत के बोल ध्यान से सुने तो इसमें ऋतु का राग, मेघों की मनौव्वल, देवी को प्रसन्न करने की अभिलाषा सुनाई दी। मालवा के कई गांवों में इन दिनों इस तरह के गीत बरबस ही सुनाई दे रहे हैं। आषाढ़ के महीने में ही ये मानकर कि सावन आ चुका है गीत गाए जा रहे हैं। इन्हें गाने वालों का दावा है कि इन गीतों से बदरा न सिर्फ खिंचे चले आते हैं बल्कि आकाश की दहलीज लांघकर बूंदों के नृत्य से तपिश झेलकर झुलसी धरती को तृप्त कर देते हैं। इस गीत को कहते हैं- बरसाती बरता। तो आइए आपको मालवा की मिट्?टी की सौंधी महक के साथ इन अजब लोगों की इस बरसों पुरानी गजब की परंपरा से परिचित कराते हैं। बारिश के लिए मेंढक-मेंढकी की शादी, जिंदा इंसान की अर्थी या अपने आराध्य को पानी से डुबोकर

रखने की हठयोगी देसज परंपराएं आपने खूब देखी-पढ़ी होंगी। फिर भी गीत गाकर बारिश बुलाने की बरसाती बरता परंपरा से कम लोग ही वाकिफ हैं। वजह है इसका गांवों तक सीमित होना और वो भी धीरे-धीरे कम होते जाना। मालवा के गांव आज भी अपनी इस थाती को संजोकर रखने में कामयाब रहे हैं। इस गीत के बारे में ज्यादा समझने के लिए हमने बढ़िया गांव की कई महिलाओं से बातचीत की। उन्होंने इस परंपरा के बारे में विस्तार से बताया कि ये गीत क्यों गाया जाता है, इसे कैसे गाते हैं, गीत गाने में सामूहिकता की क्या भूमिका है और सबसे खास कि गीतों से बादल कैसे प्रसन्न हो जाते हैं। शारदा बाई, केला बाई, ललिता, सुगन बाई, सीमा, उषा बाई, संतोषी बाईज् ये फेहरिस्त और लंबी है। बढ़िया गांव की ये वो महिलाएं हैं जो बरसाती बरता गीत बरसों से गाती आ रही हैं। केला बाई बताती हैं कि बारिश के लिए देवी देवता सबको याद करते हैं। कथा भी करते हैं। गीत भी गाते हैं। हम पानी की कीमत समझते हैं, इसलिए सालभर पानी बचाते भी हैं।

मां की मौत, पिता 12 साल से लापता

इंदौर। खाना बनाते समय अचानक आग लगने से मां चपेट में आ गई और हादसे में उनकी मौत हो गई। घटना के बाद पिता की मानसिक स्थिति गड़बड़ा गई और वे लापता हो गए। 12 साल बाद भी पिता का पता नहीं चल पाया है। तब बेटा 1 साल का था तब से अपनी बुआ के साथ ही रह रहा है। अब उसकी उम्र 14 साल हो गई और उसकी पढ़ाई पर संकट खड़ा हो गया है। उसने राइट टू एजुकेशन (आरटीई) के जरिए 8वीं तक की पढ़ाई तो पूरी कर ली है लेकिन आगे की पढ़ाई के लिए स्कूल वाले फीस मांग रहे हैं, जबकि बुआ की स्थिति ऐसी नहीं है कि वो उसकी फीस भर सके। भतीजा मंगलवार को बुआ के साथ जनसुनवाई में पहुंचा और अधिकारियों से मदद की गुहार लगाई लेकिन उन्हें निराशा ही हाथ लगी है। जनसुनवाई के पहले परिवार मदद के लिए क्षेत्र के विधायक रमेश मेंदोला के पास भी गया था। परिवार इंदौर की विधानसभा-2 में ही रहता है। बुआ के आवेदन पर विधायक मेंदोला ने कलेक्टर को पत्र लिखकर मदद देने की मांग की। मेंदोला ने बच्चे के लिए सरकारी योजना का लाभ दिलाए जाने की भी बात कही।

रीवा के कोल्ड स्टोरेज में आग 10 घंटे बाद काबू

50 गाड़ियां जलीं; डेढ़ करोड़ के केले जले, मशीन और प्रिंटिंग प्रेस कबाड़ बनीं

रीवा। रीवा में कोल्ड स्टोरेज बिल्डिंग में लगी भीषण आग 10 घंटे बाद काबू में आ सकी। आग मंगलवार रात 12.30 बजे के आसपास लगी थी। बुधवार सुबह 11 बजे इसे बुझाया जा सका। आग में 50 गाड़ियां जल गईं। डेढ़ करोड़ के केले, मशीन और प्रिंटिंग प्रेस भी जलकर कबाड़ हो गई हैं। घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र के कॉलेज चौराहा रोड की है। आग भगवान शीत भंडार नाम के कोल्ड स्टोरेज बिल्डिंग में लगी। बिल्डिंग के मालिक विजय सिंह हैं। दैनिक भास्कर से बात करते हुए वे सिर्फ इतना ही कह सके कि काफी नुकसान हुआ है, इसके बाद उनकी आंखें छलक उठीं और वे बात नहीं कर सके। शुरुआती जानकारी में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। रात से सुबह तक एक-एक कर 26 फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। सुबह 8 बजे तक लपटों पर तो काबू पा लिया गया, लेकिन राख के ढेर धधक रहे थे। इसके बाद दो बार आग फिर भड़की। ऐसे में स्ष्ठञ्ञ को बुलाना पड़ा। रीवा स्ष्ठञ्ञ कमांडेंट ने बताया कि उन्हें भोपाल कंट्रोल रूम से जानकारी मिली थी। आग बुझा दी गई है। जनहानि नहीं हुई, लेकिन काफी सामान जल

गया। बिल्डिंग 40 साल पुरानी बताई जा रही है। तेज लपटों की वजह से बिल्डिंग भी डैमेज हुई है। छज्जे और दीवारों से प्लास्टर गिरा है। इस इमारत में विद्या आर्ट, रहीस ऑटो पार्ट्स, अभिनव टेंट और विनोद फूड कंपनी की भी किराए पर ली गई दुकानें और गोदाम हैं। एक क्रशर ऑफिस भी है, जिसके लेन-देन के रिकॉर्ड्स जल गए। बिल्डिंग के मालिक विजय सिंह का यहां केला स्टोर, बर्फ और आइसक्रीम फैक्ट्री है। टेंट के गोदाम तक आग नहीं पहुंची। यहां 6 सिलेंडर रखे हुए थे। कोल्ड स्टोरेज बिल्डिंग में रखीं करीब 50 गाड़ियां भी आग में जलकर कबाड़ हो गईं। बिल्डिंग में ऑटो पार्ट्स की दुकान खोले रहीस खान ने बताया कि पूरा नुकसान 2 करोड़ से नीचे का नहीं है। उनकी खुद की 50 गाड़ियां (टूव्हीलर - स्कूटर) जल गईं। वे इन्हें खरीदने और बनाकर बेचने का भी काम करते हैं।

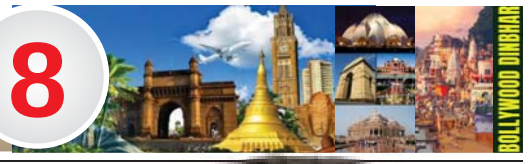

फिल्मों से 6 महीनों का ब्रेक लेंगी सामंथा:मैनेजर ने बताया सच, बोले- 'सेहत पर ध्यान देना है...

खबरे थीं कि सिटाडेल के इंडियन चैप्टर की शूटिंग खत्म करने के बाद सामंथा कुछ समय के लिए एक्टिंग से पूरी तरह ब्रेक लेने जा रही हैं। 1 साल से मायोसाइटिस से जूझ रही एक्ट्रेस, अब अपनी हेल्थ पर फोकस करना चाहती हैं। इस बीच सामंथा की मैनेजर ने बताया कि वो लगभग 6 महीने का ब्रेक लेकर अपनी सेहत पर फोकस करेंगी। हालांकि, मैनेजर ने 1 साल के लिए फिल्म छोड़ने की खबरों को खारिज किया है। सामंथा रुथ प्रभु के मैनेजर ने बॉलीवुड लाइफ को बताया है, ''सामंथा जब से काम पर वापस आ गई हैं, तो उनके पास कई डायरेक्टर्स के ऑफर आ रहे, लेकिन वह अपनी सेहत सुधारने में बिजी हैं। चूंकि सैम को अपनी हेल्थ पर ध्यान देने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पा रहा, इसलिए उन्हें अब एक ब्रेक की जरूरत है। उनके मैनेजर ने आगे कहा, ''अभी, उन्हें एक ब्रेक लेने की जरूरत है। उन्हें सोचना चाहिए कि कौन से प्रोजेक्ट लेने हैं और कौन से रिजेक्ट करने हैं। इसलिए वह केवल छह महीने का ब्रेक लेंगी और काम पर वापस आएंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सामंथा ने सिटाडेल की शूटिंग लगभग पूरी कर ली है। इसके अलावा वो इन दिनों विजय देवरकोंडा के साथ फिल्म कुशी की शूटिंग में बिजी हो गई हैं। हालांकि, इसके बाद वो लंबे समय तक किसी दूसरे प्रोजेक्ट में काम नहीं करेंगी। एक्ट्रेस ने जिन प्रोजेक्ट्स के लिए प्रोड्यूसर्स से एडवांस फीस ली थी, उन्होंने प्रोड्यूसर्स को सारे पैसे लौटा दिए हैं। सामंथा ने 2022 में बताया था कि वो मायोसाइटिस नाम की बीमारी से जूझ रही हैं। एक्ट्रेस ने इस बात का खुलासा खुद अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए किया था।

ऋचा चड्ढा ने किया सेट पर हुए भेदभाव का खुलासा, वैनिटी वैन से बाहर फेंक दिया था एक्ट्रेस का सामान

बॉलीवुड एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा इंडस्ट्री की उम्दा और बिंदास एक्ट्रेस में से एक मानी जाती हैं. एक्ट्रेस ने साल 2008 में दिबाकर बनर्जी की फिल्म 'ओए लकी लकी ओए' एक्टिंग क ी दुनिया में अपना डेब्यू किया उसके बाद से एक्ट्रेस गैंग्स ऑफ वासेपुर, फुकरे, मसान जैसे बेहतरीन फिल्मों के लिए तारीफें बटोर चुकी हैं. हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने करियर के शुरूआती दिनों के बारे में बाता क ी. जिसमें उन्होंने बताया कि उनके को-स्टार्स उनसे कितना चलते थे.इतना ही नहीं एक बार तो एक्ट्रेस का सामान तक निकालकर वैनिटी वैन से बाहर फेंक दिया गया था.

ये बात तब की है जब ऋचा अपनी पहली ही फिल्म 'ओए लकी लकी ओए'की शूटिंग कर रही थीं उस दौरान वो कॉलेज में थीं और कॉलेज से सीधा शूटिंग पर आई थीं. अब प्रोड्यूसर बन चुकीं ऋचा ने पिंकविला के दिए इंटरव्यू में बताया कि 'हम अपने सेट पर कोई भेदभाव नहीं करते. ऐसा नहीं होता कि कोई बहुत अच्छे होटल में रुकेगा तो कोई बेकार. मैं भी सबके साथ एक ही होटल में रुकती हूं और अली भी. हम एक्टर्स को पूरा स्पेस देते हैं फिर चाहें वो वर्कशॉप के लिए हो या किसी और चीज के लिए.

'हम खुद एक एक्टर हैं इसलिए हमारी सहानभूति रहती है. हम समझ सकते हैं कि सेट पर भेदभाव होने से किसी के मनोबल पर क्या असर पड़ता है. भेदभाव किसी का मनोबल गिरा सकता है. क्योंकि करियर के शुरूआती दिनों में ये हमारे साथ हो चुका है. जब एक वैनिटी वैन 3 लोगों ने शेयर की थी, जब्कि दूसरे को सिंगल वैनिटी वैन मिली थी.' 'मेरी पहली ही फिल्म की शूटिंग के दौरान की बात है मैं ओए लकी लकी ओए की शूटिंग के लिए सीधा कॉलेज से आई थी. उस वक्त मुझे 103-104 बुखार था. मुझसे कहा गया कि दूसरा शख्स देर से आएगा तब तक मैं वैनिटी वैन का इस्तेमाल कर सकती हूं. तो मैं तैयार हुई और शूटिंग के लिए चली गई. उस दौरान कोई वहां आया और मेरा सारा सामान फेंक दिया.' 'मैंने देखा कि यह सब कितना भयानक था. उस वक्त मेरे पास अपना मेकअप और हेयर मटेरियल नहीं था, वो कंपनी के ही थे.सामान में से किसी की लिपस्टिक खराब हो गई, किसी का शीशा टूट गया तो मुझे बहुत बुरा लगा. वो ऐसा कैसे कर सकते हैं? आप किसी के साथ ऐसा नहीं कर सकते, लेकिन ये चीजें होती रहती हैं.

'डायरेक्टर ने होटल रूम में मिलने बुलाया, और फिर...' जब कास्टिंग काउच का शिकार होने से बाल-बाल बचीं एक्ट्रेस विद्या बालन

एक्ट्रेस विद्या बालन ने इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बनाई है. उन्होंने काफी स्ट्रगल किया है. लेकिन एक बार तो एक्ट्रेस कास्टिंग काउच का शिकार होते होते बाल बाल बचीं. उन्होंने कास्टिंग काउच से जुड़े एक इंसीडेंट के बारे में बताया था. विद्या ने बताया था कि एक डायरेक्टर ने उन्हें होटल रूम में मिलने के लिए कहा था. इंटरव्यू में विद्या ने बताया था,' मैंने कभी भी कास्टिंग काउच का सामना नहीं किया है. मैं बहुत भाग्यशाली रही हूं. मैंने डरावनी कहानियां सुनी हैं और ये मेरे पेरेंट्स का सबसे बड़ा डर था. लेकिन मेरे साथ एक घटना घटी... मुझे याद है एक फिल्म के सिलसिले में मुझे डायरेक्टर से मिलना था. मैं उस वक्त एक एड फिल्म की शूटिंग के लिए चेन्नई जा रही थी.'

जब डायरेक्टर ने की ये जिद

विद्या ने आगे बताया था, 'एक दिन मुझे याद है कि मैं चेन्नई में थी और एक डायरेक्टर मुझसे मिलने आए. मैंने उन्हें कहा कि चलो कॉफी शॉप में बैठते हैं. तो वो जिद करने लगा कि वो मुझसे बात करना चाहता है और हमें कमरे में चलना चाहिए. मुझे समझ नहीं आया, क्योंकि मैं अकेली थी. लेकिन मैंने समझदारी से काम लिया. जब हम कमरे में गए तो मैंने दरवाजा खुला छोड़ दिया. और उसे पता था कि उसके पास एक ही ऑप्शन है कि कमरे से बाहर निकलने का. फिर वो पांच मिनट के अंदर चला गया. इसलिए, मैं वास्तव में ये नहीं मानती कि मैंने कास्टिंग काउच एक्सपीरियंस किया. आज भी जब मैं इस बारे में बात कर रही हूं तो ये घटना मेरे मन में आ गई.' इसके बाद हंसते हुए आगे विद्या ने बताया, ''और फिर मुझे उस फिल्म से बाहर निकाल दिया गया.''

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com .